अदाणी समेत बड़ी फैक्टरियों के लिए आवंटन शुरू

ग्रेटर गीडा : सेक्टर पांच में मिलेंगे प्लॉट, तीन अगस्त तक आवेदन, कई बड़ी कंपनियों ने जताई है निवेश की इच्छा

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। लिंक एक्सप्रेस-वे और सहजनवां-दोहरीघाट के प्रस्तावित रेल लाइन के नजदीक विकसित हो रहे धुरियापार औद्योगिक क्षेत्र में पहली फैक्टरी की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। गीडा प्रशासन ने धुरियापार की बंद पड़ी चीनी मिल के पास विकसित हो रहे सेक्टर पांच में 300 एकड़ के तीन भूखंडों का आवंटन करने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए तीन अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे।

गीडा के बाद ग्रेटर गीडा के लिए धुरियापार में 5500 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इसमें से पहले चरण में 1600 एकड़ के जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। अभी लगभग 600 एकड़ जमीन का अधिग्रहण भी हो चुका है। पिछले महीने शासन ने धुरियापार के मास्टर प्लान को भी मंजूरी दे दी थी। अब इस क्षेत्र के पहले सेक्टर (एस-5) के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें करीब 300 एकड़ क्षेत्रफल में तीन भूखंड आवंटित किए जाएंगे। 80 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले इस भूखंड पर बड़ी फैक्टरियों की स्थापना होगी।

बता दें कि धुरियापार में अदाणी समूह अपनी सीमेंट फैक्टरी लगाने की इच्छा जता चुका है। ग्रुप के प्रतिनिधि जमीन भी देख चुके हैं। इसके अलावा श्री सीमेंट समेत कई अन्य फैक्टरियां भी वहां जमीन देख चुकी हैं।

धुरियापार चीनी मिल। संवाद

गीडा ऑफिस। संवाद

गीडा के बाद अब धुरियापार को बड़े औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे जिले के दक्षिणी क्षेत्र में भी रोजगार संभावना बढ़ेगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और रेल लाइन की वजह से धुरियापार औद्योगिक क्षेत्र आने वाले दिनों में गोरखपुर की नई पहचान बनेगा।

- कृष्णा करुणेश, डीएम

धुरियापार में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गीडा कार्यालय के बगल में प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर के लिए भी रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी हो गया है। कन्वेंशन सेंटर बनने से यहां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा सकेगा।

-अनुज मलिक, सीईओ, गीडा

बदल रहा है गोरखपुर

उनवल से धुरियापार तक फोरलेन होगी सड़क

हर साल बरसात में जलभराव से परेशान रहने वाले धुरियापार इलाके का अगले कुछ वर्षों में कायाकल्प होने वाला है। वजह यह है कि ग्रेटर गीडा के तौर पर विकसित किए जा रहे धुरियापार औद्योगिक क्षेत्र को फोरलेन सड़क से भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए औद्योगिक विकास मंत्री के सुझाव के बाद पीडब्ल्यूडी ने तैयारी शुरू कर दी है। खजनी से धुरियापार चीनी मिल तक टू-लेन सड़क को फोरलेन में बदलने की योजना बनाई गई है। इसका प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शासन को भेजा है। स्वीकृति मिलने के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। यह सड़क रामजानकी मार्ग से भी जुड़ेगी, जिससे क्षेत्र की पहुंच और बेहतर होगी। प्रस्तावित फोरलेन सड़क 14 मीटर चौड़ी और लगभग 22 किमी लंबी होगी, जो 25 गांवों से होकर गुजरेगी। इनमें दशवथपुर, माल्हनपार, कटवर, खजनी व उनवल शामिल हैं। यह फोरलेन सड़क गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगी। साथ ही, धुरियापार चीनी मिल से गोपालपुर तक 10 किमी की सिंगल-लेन सड़क को भी फोरलेन कर रामजानकी मार्ग से जोड़ा जाएगा।

गीडा : 20 एकड़ में बनेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। उद्यमी संगठन चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज की मांग पर गीडा में भव्य कन्वेंशन सेंटर बनने का रास्ता साफ हो गया है। शासन स्तर से इसकी मंजूरी मिलने के साथ ही गीडा प्रशासन ने डिजाइन के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल भी जारी कर दिया है।

चयनित एजेंसी कन्वेंशन सेंटर के लिए डिजाइन तैयार करेगी। कन्वेंशन सेंटर करीब 20 एकड़ जमीन में बनेगा। इसके निर्माण के बाद गीडा में अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी भी लगाई जा सकेगी।

गीडा कार्यालय के बगल में खाली जमीन पर हर साल स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम होता है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होते हैं। पिछले वर्ष सीएम के सुझाव पर प्रदेश के 100 बड़े उद्यमियों को यहीं बुलाकर सेमिनार का आयोजन कराया गया था। इसके बाद प्रदेश के अलग-अलग शहरों में बड़े निवेश के प्रस्ताव भी मिले थे।

चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह की तरफ से मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा गया था, जिसमें गीडा कार्यालय के बगल की खाली जमीन पर कन्वेंशन सेंटर बनाने की मांग की गई थी।

बताया गया था कि इसके निर्माण से हर साल स्थापना दिवस पर होने वाले आयोजन का खर्च तो बचेगा ही, यहां राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन भी किए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इसके निर्माण की तैयारी शुरू हुई है।